

सं. १०३

(६५)



(1)

श्री

नंबर
१०३

५३३॥ कवी प्रथम २३७

जन्मश्रीयापीरणीतरसमिन्यरस
श्रीगोपाधुमने त्वामी गोकार
पनप्रश्रीगोपाधुमत त्वामि

खेत्प्रगोपाधुमने नमस्तु पनत
द्वीष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
चाष्टीमपीरुषि ककमनीयाद्योश्रीमतनी
चाष्टीमद्वयानी नमस्तु अष्टमस्तपमपीरु

(1A) स्वयंसाध्या काष्टीयवपुष्टीमंतयार
पाष्टीम रसश्रीहृषीपतंष्टीश्रीमतनी
ककमपीरुषीधुमने त्वामी ककमद्वी
तांतगापंगंनचिष्टीमंतयार
पोतमेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
मनेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ

(1B) त्वस्वनेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
मनेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
गापगंनचिष्टीमंतयार त्वस्वनेष्टीमठ
द्वीष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
वरीतारगापगंनचिष्टीमंतयार त्वस्वनेष्टीमठ
अराडिचामुष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ

(1C) श्रीमतान्वेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
ककमपीरुषीधुमने त्वामी ककमद्वी
पोतमेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
मनेष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ
गापगंनचिष्टीमंतयार त्वस्वनेष्टीमठ
द्वीष्टीमठमत्र त्वम त्वस्वनेष्टीमठ

(10)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com